रविवार, दिनांक 23 मई, 2010
(Sunday, the 23rd May, 2010)

प्रात:काल (Morning):

6.00 से 7.00 बजे तक	प्रभात फेरी
6.00 to 7.00 a.m.	Prabhat Pheri
9.00 से 10.00 बजे तक	ध्यान - योगाभ्यास
9.00 to 10.00 a.m.	Concentration & Meditation
10.00 से 11.00 बजे तक	प्रवचन व अभ्यास के सिद्धान्तों पर प्रकाश
10.00 to 11.00 a.m.	Discourse on how to achieve spirituality
11.00 से 12.00 बजे तक	सामूहिक शान्ति पाठ
11.00 to 12.00 noon	Collective Shanti Path
12.00 से 12.30 बजे तक	प्रसाद वितरण
12.00 to 12.30 p.m.	Distribution of Prasad
12.30 बजे से	भोग
12.30 onwards	Bhog

नोट (Note):

(1) परम पूज्य भैया जी (परम सन्त महात्मा श्री सुरेश जी) शनिवार, 22 मई, 2010 को प्रात: 11 बजे अनूपशहर पधार रहे हैं।

(1) Param Pujya Bhaiya Ji (Param Sant Suresh JI) will be reaching Anupshahar at 11.00 a.m. on Saturday, the 22nd May, 2010.

(2) कृपया अपने केन्द्र का बैनर अवश्य साथ लायें।

(2) Please bring your satsang banner with you.

(3) दिल्ली की ओर से आने वाले सत्संगी भाई - बहन आनन्द विहार बस अड्डे से अनूपशहर की बस लें अथव बुलन्दशहर आकर अनूपशहर बस स्टैण्ड से प्राईवेट/रोडवेज की बस पकड़ें। सत्संग स्थल बुलन्दशहर से 45 किलोमीटर की दूरी पर है।

(3) Satsangees coming from Delhi side may either take direct bus for Anupshahar from Anand Vihar Bus Terminus or reach Bulandshahar from where they can take Anupshahar bus. The Satsang venue is approx. 45 kms. from Bulandshahar.

(4) अलीगढ़ की ओर से आने वाले सत्संगी भाई - बहन रामघाट बस अड्डे से अनूपशहर की बस पकड़ें।

(4) Satsangees coming from Aligarh side may take Anupshahar bus from Ram ghat bus stand.

सत्संग में भाग लेने वाले साधकों के लिए दिशा-निर्देश

1. हर एक सत्संगी भाई और बहन अपने आप को मेहमान और मेजबान दोनों समझे।
2. पण्डाल में ठीक समय से पहुंचकर सभी सत्संग कार्यक्रमों में भाग लें जिससे कि अधिक से अधिक आध्यात्मिक लाभ प्राप्त हो सके।
3. कार्यक्रम के दौरान अपने मोबाइल फोन बंद रखें।
4. सत्संग स्थान पर आने के बाद अपने ह्रदय को परमात्मा की याद में डुबाये रखें ताकि अधिक से अधिक लाभान्वित हो सकें।
5. पण्डाल में पहले आने वाले व्यक्ति आगे बैठें ताकि बाद में आने वाले व्यक्तियों को असुविधा न हो।
6. माताएं शिशुओं और बच्चों को लेकर आन्तरिक सत्संग और सामूहिक शान्ति पाठ में न बैठें।
7. बहुमूल्य वस्तुएं हर्गिज साथ न लावें। आवश्यकतानुसार वस्त्र, बिस्तर, अपने व्यक्तिगत प्रयोग का सामान तथा माला, लोटा, टार्च, टोपी और ऑडोमॉस अपने साथ अवश्य लायें। और अपने सामान की सुरक्षा स्वयं करें।
8. किसी सत्संगी भाई या बहन की वस्तु बिना उनकी आज्ञा के न लें।

सम्पर्क सूत्र (Contact Nos.) :-

1. श्री बी. डी. शर्मा (अनूपशहर) 097610-95685
   (Sh. B.D. Sharma)
2. श्री टी.पी. शर्मा (बुलन्दशहर 05732-232694,
   (Sh. T.P. Sharma) 094562-84625
3. श्री सी. पी. अग्रवाल 094126-12304
   (Sh. C.P. Agarwal)
4. श्री मुकेश दत्त शर्मा 097587-70561
   (Sh. Mukesh Dutt Sharma)
5. डॉ॰ पूनम वशिष्ट 093688-60032
   (Dr. Poonam Vashisht)
6. श्री महेश चन्द गर्ग (रबूपुरा) 094578-41555
   (Sh. Mahesh Chand Garg)

अखिल भारतीय संतमत सत्संग, दिल्ली

आध्यात्मिक उत्सव
Spiritual Function

22-23 मई, 2010
22-23 May, 2010

सत्संग स्थल (Venue):

अग्रवाल धर्मशाला, दाऊ कटंरा
अनूपशहर (छोटी काशी)
जनपद बुलन्दशहर (उत्तर प्रदेश)

Agarwal Dharamshala, Daoo Katra
Anoopshahar (Chhoti Kashi)
Distt. Bulandshahar (U.P.)

मुख्यालय :
अखिल भारतीय सन्तमत सत्संग
बी - 20, सी.सी. कॉलोनी, राणा प्रताप बाग के सामने, दिल्ली - 7

अधिक जानकारी के लिए
Website : www.abssatsang.org.
E-mail : info@abssatsang.org
Face book: www.facebook.com
Search id : Suresh Bhaiya Ji
संरक्षक से व्यक्तिगत सम्पर्क के लिए:
E-mail : yashroopji@gmail.com

सत्संग का संक्षिप्त परिचय

परम सन्त महात्मा श्री यशपाल जी महाराज ने आनन्द योग के सिद्धान्तों का जनमानस में प्रचार व प्रसार करने के लिए 'अखिल भारतीय सन्तमत सत्संग' की स्थापना की। इस संस्था का मुख्य उद्देश्य है कि मनुष्य योगाभ्यास द्वारा अपने जीवन में सारे कर्म, धर्म युक्ताहार-विहार की दृष्टि से पूरा करते हुए सत्पुरुष के ध्रुवपद पर पहुँच सके और ईश्वर साक्षात्कार प्राप्त कर सके।

आनन्द-योग राजयोग (ध्यान-योग) का एक परिष्कृत स्वरूप है जिसमें राजयोग में आने वाली कठिनाइयों को दूर करके साधक को सहजतापूर्वक अध्यात्म के उच्चतम शिखर तक पहुँचाया जाता है। आनन्द योग का पवित्र ज्ञान वही प्राचीन ब्रह्म-ज्ञान है जिसे महर्षि अष्टावक्र जी ने अपने प्रिय शिष्य राजा जनक को प्रदान कर आत्म-साक्षात्कार का दिव्य अनुभव करवाया और जनक चक्रवर्ती सम्राट होते हुए भी 'विदेह' कहलाए।

यह साधना पद्धति सभी धर्म, जाति एवं सम्प्रदाय के साधकों के लिए एक अद्भुत ईश्वरीय देन है। आज की आधुनिक जीवन शैली में तनाव-रहित जीवन बिताने के लिए यह एक अद्वितीय एवं सरल साधना है। सच्चा आध्यात्मिक ज्ञान केवल एक समर्थ सत्गुरु के शक्तिपात द्वारा ही प्राप्त किया जा सकता है। सत्संग के संरक्षक परम सन्त सुरेश जी (परम पूज्य भैय्या जी) परम पूजनीया माता जी (परम सन्त रूपवती जी) के संरक्षण में अहर्निश सत्संग -कार्य में संलग्न हैं और साधकों के मार्ग-दर्शन के लिए उपलब्ध रहते हैं।

अध्यात्म की उच्चतम अवस्था को प्राप्त करने के उद्देश्य से भारतवर्ष एवं विदेशों के केन्द्रों पर इस साधना-पद्धति का क्रियात्मक (Practical) अभ्यास किया जाता है। सत्संग की सभी शाखाओं में हर रविवार को प्रातः 9 बजे से 11 बजे तक एवं बृहस्पतिवार को सायं 6.30 बजे से 8 बजे तक सत्संग का आयोजन किया जाता है जिसमें कि मुख्यतः ध्यान-योग (Concentration & Meditation) का अभ्यास करवाया जाता है। बताए गए तरीके से अभ्यास करने पर एवं सत्संग कार्यक्रमों में नियमित रूप से भाग लेने पर सच्चे साधक गुरु-कृपा से सुषुप्ति, आध्यात्मिक चक्रों का जागरण, सहज समाधि, आत्म-साक्षात्कार एवं जीवन-मुक्त-अवस्था की प्राप्ति जैसे दुर्लभ आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त कर कृतकृत्य हो जाते हैं।

आध्यात्मिक उत्सव, मई 2010

अनूपशहर, जिला बुलन्दशहर

पूजनीय माताओ और बन्धुओ,

यह सूचित करते हुए अपार हर्ष हो रहा है कि भगवान की असीम दया व कृपा से प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी अखिल भारतीय सन्तमत सत्संग की संरक्षिका परम सन्त पूज्या माता जी श्रीमती रूपवती देवी जी (धर्मपत्नी परम सन्त महात्मा श्री यशपाल जी महाराज–पूज्य भाई साहब जी) की स्वीकृति से देश (भारतवर्ष) के विभिन्न प्रदेशों में आध्यात्मिक उत्सवों का आयोजन किया जा रहा है। इस शृंखला में दिनांक 22 मई से 23 मई, 2010 तक आध्यात्मिक उत्सव का आयोजन अनूपशहर (उत्तर प्रदेश) में किया जा रहा है। समस्त सत्संगी भाई–बहनों से प्रार्थना है कि इस शुभ अवसर पर पधार कर सद्‌गुरुओं के आत्मिक फैज़ का लाभ उठायें।

यह सूचना समस्त सत्संगी भाइयों व बहनों को स्वयं भी देने की कृपा करें तथा अन्य सज्जन वृन्द, भक्तजनों को भी इस शुभ अवसर पर साथ लाएं। इस शुभ अवसर पर परम संत महात्मा श्री सुरेश भैया जी दिल्ली से पधार रहे हैं।

सत्संग स्थान :
अग्रवाल धर्मशाला,
दाऊ कटरा,
अनूपशहर (छोटी काशी)
जिला बुलन्दशहर (उ.प्र.)

विनीत :
समस्त सत्संगी परिवार,
अखिल भारतीय सन्तमत सत्संग
शाखा अनूपशहर, बुलन्दशहर
व गौतम बुद्धनगर, रबूपुरा

कार्यक्रम

अखण्ड शान्ति पाठ

"अखण्ड शान्ति पाठ" शनिवार दिनांक 22 मई, 2010 दोपहर 12 बजे से प्रारम्भ होकर रविवार 23 मई, 2010 दोपहर 12 बजे (24 घण्टे) सम्पन्न होगा। इस पाठ में 'ॐ शान्ति' मन्त्र का जाप जिह्वा से नहीं अपितु हृदय से **(Not by tongue but by thought)** किया जाता है। इस जाप से साधकों को अनुपम आन्तरिक शान्ति व आनन्द का अनुभव होता है।

शनिवार, दिनांक 22 मई, 2010
(Saturday, the 22nd May, 2010)

सायंकाल (Evening):

6.30 से 7.30 बजे तक	ध्यान-योगाभ्यास
6.30 to 7.30 p.m.	Concentration & Meditation
7.30 से 8.30 बजे तक	प्रवचन व अभ्यास के सिद्धान्तों पर प्रकाश
7.30 to 8.30 p.m.	Discourse on how to achieve spirituality
8.30 से 9.00 बजे तक	प्रसाद वितरण
8.30 to 9.00 p.m.	Distribution of Prasad
9.00 से 10.30 बजे तक	भोग
09.00 to 10.30 p.m.	Bhog
10.30 से 11.30 बजे तक	टोली चर्चा
10.30 to 11-30 p.m.	Group Discussion